ऐसी पहली बार हो रहा है जब बहुजन समाज पार्टी और चंद्रशेखर आजाद सड़क पर साथ आए हो

RNI Regn. No. UTTHIN/2008/28646

हिन्दी साप्ताहिक

हर्षिता टाइम्स

दलित आदिवासी संगठनों ने भारत बंद का किया आह्वान, सुप्रीम कोर्ट के विरोध में हो रहा आंदोलन

• वर्ष : 16 • अंक : 33 • देहरादून • वृहस्पतिवार 22 अगस्त, 2024 • मूल्य : 1 रुपये • वार्षिक : 50 रुपये • पृष्ट : 4

रूद्रप्रयाग को दी कई योजनाओं की सौगात

देहरादून। मौसम खराब होने के चलते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अगस्त्यमुनि रुद्रप्रयाग में आयोजित रक्षाबंधन एवं जनमिलन कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। मुख्यमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी बहनों को रक्षा बन्धन की शुभकामनाएं दी तथा शीघ्र रुद्रप्रयाग पहुंचने का वादा कार्यक्रम में शामिल मातृशक्ति से किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जनपद को आठ घोषणाओं की सौगात दी। सीएम ने अगस्त्यमुनि नगर पंचायत को नगर पालिका बनाने, जनपद में तकनीकि शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए भणज में आईटीआई खोलने, तुंगनाथ महोत्सव मक्कू को जिला स्तरीय मेला घोषित किये जाने, मयाली बसुकेदार गुप्तकाशी मोटर मार्ग का चौड़ीकरण-हॉटमिक्स किये जाने, गुप्तकाशी पीएचसी को उच्चीकृत कर सीएचसी बनाये जाने, महर्षि अगस्त्यमुनि मंदिर का सौंदर्यीकरण किये जाने, यात्रा मार्ग पर घोड़े एवं खच्चरों की अचानक मृत्यु होने पर दाह किए जाने एवं दफनाने की व्यवस्था बनाये जाने के साथ ही विजयनगर- पठालीधार मार्ग के हिस्से का पुनर्निर्माण किये जान हेतु 05 करोड़ की स्वीकृति प्रदान किये जाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार महिला सशक्तिकरण के प्रति पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। विभिन्न जनकल्याणकारी एवं महिला सशक्तिकरण आधारित योजनाओं से हमारा प्रयास महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। आज हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित हो रही है। स्वयं सहायता समूह के माध्यम से महिलाएं, स्वयं को, परिवार एवं राज्य को आत्मनिर्भर बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। राज्य सरकार ने महिलाओं को सरकारी नौकरी में 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण देने का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तराखंड के प्रत्येक जनपद में मातृशक्ति सबसे आगे हैं। स्वयं सहायता समूह के उत्पाद, मल्टीनेशनल कंपनी के उत्पादों को भी पीछे छोड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना के अंतर्गत महिलाओं के द्वारा निर्मित उत्पादों को बेचने के लिए उचित बाजार उपलब्ध करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में 'हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड' का शुभारंभ किया गया है। इस ब्रांड के उत्पादों की तेजी से मांग हो रही है। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने हेतु लखपति दीदी योजना के तहत महिला स्वयं सहायता समूहों को 5 लाख तक का ऋण बिना ब्याज के दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केदारनाथ धाम में दूसरी चरण की यात्रा को लेकर पूरी व्यवस्थाएं चाक- चौबंद की जा रही है। यात्रा को और सुगम एवं सुव्यस्थित बनाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। केदार घाटी आपदा के बाद फिर से पुराने स्वरूप में आये और केदारनाथ की यात्रा फिर से अच्छी तरह से संचालित हो तथा इसमें कोई व्यवधान न हो इसके लिये प्रभावी प्रयास किये जा रहे है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सितम्बर माह के प्रथम सप्ताह से कपाट बन्द होने तक चारधाम यात्रा के लिए अश्वनलाईन की व्यवस्था पूर्व की भांति चलती रहेगी एवं जो तीर्थ यात्री उत्तराखण्ड में चारों धामों के दर्शन के लिए ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन नहीं करा पायेंगे, उन्हें मौके पर ही रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था उपलब्ध करायी जायेगी। इसमें किसी भी प्रकार की संख्या की बाध्यता नहीं रहेगी। इसके लिए ऑफलाईन स्पॉट रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था की जायेगी। यह व्यवस्था हरिद्वार, ऋषिकेश एवं इसके अतिरिक्त गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ एवं बदरीनाथ के मुख्य पड़ावों पर भी की जायेगी। चारधाम यात्रा के दौरान बैरिकेडिंग एवं चौकिंग की व्यवस्था की समीक्षा कर उसे न्यूनतम किया जायेगा। इस वर्ष की यात्रा पूर्ण होते ही अगले वर्ष की यात्रा के लिए अभी से तैयारियां शुरू कर दी जाएंगी। जल्द यात्रा प्राधिकरण के माध्यम से यात्रा संचालन के प्रयास किये जायेंगे, इसके लिए तेजी से कार्य चल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केदारनाथ या किसी दूसरे धाम के नाम पर कहीं भी देश में दूसरा मंदिर नहीं बनेगा। कैबिनेट में प्रस्ताव लाकर यह निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केदारखण्ड के सभी मंदिरों का विकास किया जा रहा है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये 05 करोड तक की पर्यटन विकास से संबंधित योजनाओं पर 1.50 करोड की सब्सिडी दिये जाने का निर्णय भी राज्य मंत्रिमण्डल द्वारा लिया गया है इससे पर्वतीय क्षेत्रों में होटल, होमस्टे सहित अन्य पर्यटन योजनाओं के विकास में मदद मिलेगी तथा युवाओं के लिये स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि के रूप में अगस्त्यमुनि एवं रिजेंटा रिसोर्ट ऊखीमठ में मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव में मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि रुद्रप्रयाग विधायक भरत सिंह चौधरी ने रक्षाबंधन कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर स्थानीय ग्रामीण महिलाओं ने विधायक के हाथों में रक्षा सूत्र बांधकर मुख्यमंत्री को राखियाँ प्रेषित की।

विधायक भरत सिंह चौधरी ने भी उपस्थित सभी महिलाओं को रक्षाबंधन पर्व की बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश के मुख्यमंत्री जी को कार्यक्रम में प्रतिभाग करना था, लेकिन पल- पल बदल रहे खराब मौसम के कारण उनका पहुंचना संभव नहीं हो पाया। उन्होंने सभी महिलाओं को आश्वस्त करते हुए कहा कि सभी बहनों की राखियाँ मुख्यमंत्री जी तक सुरक्षित पहुंचा दी जाएंगी। इस अवसर पर उन्होंने केदारनाथ की दिवंगत विधायक शैला रानी रावत के निधन को अपूरणीय क्षति बताया। साथ ही कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री स्वयं केदारनाथ क्षेत्र के विकास को लेकर संकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में प्रदेश के सीएम केदारनाथ क्षेत्र में आकर स्थानीय महिलाओं एवं ग्रामीणों से रूबरू होंगे।

इस अवसर पर दायित्वधारी चंडी प्रसाद भट्ट, जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुमंत तिवाड़ी, भाजपा प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी, जिलाध्यक्ष महावीर सिंह पंवार, जिला पंचायत अध्यक्ष अमरदेई शाह, महिला मोर्चा अध्यक्ष आशा नौटियाल, ने भी महिलाओं को राखी की शुभकामनाएं दी एवं सरकार द्वारा महिलाओं के हित चलाई जा रही योजनाओं तथा सरकार की उपलब्धियों की जानकारी दी। कार्यक्रम में डीएम सौरभ गहरवार, एसएसपी लोकेंद्र सिंह, मुख्य विकास अधिकारी डॉ जीएस खाती सहित बडी संख्या में महिलायें एवं क्षेत्रीय जनता उपस्थित थी।

निकाय चुनाव 25 अक्टूबर तक कराने का आश्वासन अगली सुनवाई 6 सितंबर को

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट में निकाय चुनाव समय पर न कराने के मामले में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। शहरी विकास निदेशक व अपर सचिव नितिन भदौरिया ने कोर्ट को आश्वासन दिया कि निकाय चुनाव 25 अक्टूबर तक संपन्न कराए जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति इसी माह या सितंबर के पहले सप्ताह में कर दी जाएगी।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति ऋतु बाहरी और न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की खंडपीठ ने इस मामले की अगली सुनवाई 6 सितंबर को तय की है। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने राज्य सरकार को 20 अगस्त तक निकाय चुनाव का पूरा कार्यक्रम पेश करने और राज्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति की सूचना देने के निर्देश दिए थे।

सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता एसएन बाबुलकर ने राज्य सरकार का पक्ष रखते हुए बताया कि शहरी विकास विभाग ने

चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं और अक्टूबर में चुनाव संपन्न कर लिया जाएगा। कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नितिन भदौरिया ने बताया कि सरकार ने नए निकायों के गठन और कई निकायों में परिसीमन किया है, और निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा गया है।

कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अगली सुनवाई 6 सितंबर को निर्धारित की है।

प्राथमिक शिक्षा में 1500 बेसिक शिक्षक चयनितः डॉ धन सिंह रावत

देहरादून। सूबे में प्राथमिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत बेसिक शिक्षकों की भतह्र प्रक्रिया चल रही है। सभी जनपदों में दो चरण की काउंसलिंग सम्पन्न होने के उपरांत 1501 बेसिक शिक्षकों का चयन किया जा चुका है। अवशेष 1405 रिक्त पदो के लिये तीसरे और चौथे चरण की काउंसलिंग भी की जायेगी, जिसके निर्देश विभागीय अधिकारियों को दे दिये गये हैं। नये शिक्षकों के चयन से प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों में लगभग शिक्षकों की कमी दूर हो जायेगी।

सूबे के विद्यालय शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि प्रदेश के राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की कमी को दूर करने तथा प्राथमिक स्तर पर नौनिहालों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने को लेकर विभाग ने बड़े पैमाने पर प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया शुरू की है। जनपद स्तर पर आयोजित बेसिक शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया में अब तक दो चरण की काउंसलिंग सम्पन्न होने के बाद कुल 1501 शिक्षकों का चयन किया जा चुका है। प्रथम चरण की काउंसलिंग में 473 जबकि द्वितीय चरण की काउंसलिंग में 1028 शिक्षकों का चयन किया गया है। जिसमें पौड़ी जनपद में 179, चमोली में 285, रूद्रप्रयाग 38, टिहरी 135, उत्तरकाशी 57, देहरादून 26, हरिद्वार 97, नैनीताल 95, अल्मोड़ा 42, बागेश्वर 68, चम्पावत 11, पिथौरागढ़ 164 तथा ऊधमसिंह नगर में 304 बेसिक शिक्षक शामिल है। चयनित बेसिक शिक्षकों को संबंधित जनपदों में नियुक्ति पत्र भी वितरित किये जा रहे हैं ताकि वह आवंटित विद्यालयों में शीघ्र योगदान से सके।

विभागीय मंत्री ने बताया कि अवशेष 1405 पदों को भरने के लिये विभागीय अधिकारियों को तीसरे व चौथे चरण की काउंसलिंग करने के निर्देश दे दिये गये हैं ताकि सभी पदों को समय पर भरा जा सके। उन्होंने बताया कि प्राथमिक शिक्षा विभाग ने सभी जनपदों में बेसिक शिक्षकों के कुल 2906 पदों पर विज्ञप्ति निकाली

थी जिसके सापेक्ष प्रदेशभर में 26 हजार अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। जिसमें से अधिकांश अभ्यर्थियों ने एक से अधिक जनपदों में आवेदन किया है, जिस कारण आवेदकों की संख्या में इजाफा हुआ है। उन्होंने कहा कि इस बार सभी जनपदों में एक साथ काउंसलिंग होने से अभ्यर्थियों को दूसरे जनपद में काउंसलिंग में जाने का मौका नहीं मिला है, जिस कारण दो चरण की काउंसलिंग के बावजूद लगभग 50 प्रतिशत अभ्यर्थीयों का ही चयन हो पाया है। जिसके चलते विभाग को तीसरे और चौथे चरण की काउंसलिंग करानी पड़ रही है।

सम्पादकीय

भारत बंद : दलित और आदिवासी संगठनों की न्याय की पुकार

हाल ही में भारत में दलित और आदिवासी संगठनों ने एक ऐतिहासिक 'भारत बंद' का आह्वान किया, इस बंद का उद्देश्य अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों के अधिकारों की सुरक्षा और उनके लिए समानता की मांग करना था। इस स्थिति ने देशभर में ध्यान खींचा और विभिन्न प्रतिक्रियाओं का सामना किया, जो सामाजिक और राजनीतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण हैं।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला अनुसूचित जाति और जनजाति आरक्षण में क्रीमी लेयर (उच्च आय वर्ग) के लागू करने और कोटा के भीतर कोटा लागू करने का था। इस निर्णय ने समाज के कई हिस्सों में बेचैनी पैदा कर दी है, क्योंकि इसका उद्देश्य आरक्षण के लाभों का प्रभावी वितरण सुनिश्चित करना था, लेकिन कई संगठनों का मानना है कि यह न्याय की मूल भावना के खिलाफ है। दलित और आदिवासी संगठनों का कहना है कि इस फैसले से उनका प्रतिनिधित्व और भी सीमित हो जाएगा, जिससे वे पहले से ही विकट परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं।

भारत बंद का आयोजन और इसका प्रभाव

नेशनल कन्फेडरेशन ऑफ दलित एंड आदिवासी ऑर्गेनाइजेशंस ने इस फैसले के खिलाफ 14 घंटे के 'भारत बंद' का आह्वान किया। यह बंद देशभर के विभिन्न हिस्सों में विभिन्न स्तरों पर असर डाल रहा है। कुछ क्षेत्रों में बंद का व्यापक असर देखा गया, जबकि अन्य स्थानों पर इसका प्रभाव सीमित था।

राज्यों में बंद का प्रभाव

बिहार के जहानाबाद में भारत बंद का असर खासतौर पर देखा गया। पटना-गया राष्ट्रीय मार्ग पर सड़क जाम कर दी गई, जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बंद समर्थक इस फैसले को रद्द करने की मांग कर रहे हैं और सरकार से इस संबंध में एक अध्यादेश लाने की अपील कर रहे हैं।

वहीं छत्तीसगढ़ के कवर्धा में बंद का असर अपेक्षाकृत कम देखा गया। चेंबर ऑफ कॉमर्स ने भारत बंद का समर्थन नहीं किया, जिससे व्यापारिक गतिविधियां सामान्य रहीं और बंद का प्रभाव सीमित रहा। रायपुर में कई स्कूलों में छुट्टियां दे दी गईं, लेकिन सामान्य जीवन पर इसका बहुत ज्यादा असर नहीं पड़ा।

झारखंड के चाईबासा में बंद का व्यापक असर देखने को मिला। झारखंड मुक्ति मोर्चा के समर्थन से बाजार बंद कर दिए गए और वाहनों का परिचालन ठप हो गया। चाईबासा के तांबो चौक पर सड़क को अवरुद्ध कर दिया गया, और झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेताओं ने आरक्षण में वर्गीकरण की कोशिशों को बर्दाश्त न करने की बात की।

पटना में बंद समर्थकों ने महेंद्रु अंबेडकर हॉस्टल के पास सड़क को जाम कर दिया और आगजनी की। पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर था और शांति व्यवस्था बनाए रखने की कोशिश कर रहा था।

अलवर में भी भारत बंद का असर देखा गया। बाजारों में दुकानें बंद थीं और सड़कें सुनसान नजर आ रही थीं।

दरभंगा में भीम आर्मी और अन्य दलित संगठनों ने बिहार संपर्क क्रांति ट्रेन का चक्का जाम कर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले की आलोचना की और इसे अनुसूचित जाति और जनजाति समाज के खिलाफ एक बड़ी साजिश करार दिया।

अमरोहा में बंद समर्थकों ने जोरदार प्रदर्शन किया और नीला झंडा और तिरंगा लेकर सड़क पर उतर आए।

दलित और आदिवासी संगठनों के इस बंद के माध्यम से उनकी आवाज़ को मजबूती मिली है और सरकार के सामने उनकी मांगों को रखने का एक प्रभावी मंच प्रदान किया है।

हिमवंत कवि चंद्र कुंवर बर्त्वाल की 105 वीं जयंती धूमधाम से मनाई

देहरादून। हिमवंत कवि चंद्र कुवंर बर्त्वाल शोध संस्थान द्वारा प्रकृति के चितेरे कवि चंद्र कुवंर बर्त्वाल की 105 वीं जयंती धूम धाम से मनाई गई। दून पुस्तकालय व शोध केन्द्र के सभागार में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित व चंद्र कुवंर बर्त्वाल के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस दौरान कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कवि ओम प्रकाश सेमवाल व कवियत्री साहित्यकार बीना बेंजवाल,पूर्व आई ए एस चन्द्र सिंह, ठाकुर भवानी सिंह, राजगुरू कृष्णानंद नौटियाल ने वरिष्ठ साहित्यकार व पत्रकार स्व. डॉ. योगम्बर सिंह बर्त्वाल के छाया चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पितकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व आई ए एस चन्द्र सिंह ने की। कार्यक्रम के शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर किया गया।

मुख्य वक्ता कवि ओम प्रकाश सेमवाल ने अपने उद्बोधन में हिमवंत के चितेरे कवि चंद्र कुवंर बर्त्वाल को कालजयी रचनाकार बताते हुऐ कहा कि वह अल्प आयु में हिन्दी साहित्य को आपार साहित्य का भण्डार देकर गये है। जो हमारे लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि चन्द्र कुवंर बर्त्वाल को जिन्दा रखने के लिए डॉ योगम्बर सिंह बर्त्वाल जैसा जनूनू किसी न किसी को रखना होगा। इस दौरान उन्होंने स्वरचित गढ़वाली कविता 'चन्द्रकुवंर रे पूरू सम्मान अभि नि मिल पायी रे' गाया।

वही कवियत्री बीना बेंजवाल ने हिमवंत कवि चन्द्र कुवंर बर्त्वाल को महान साहित्यकार बताया जिन्होनें 12 वर्ष की आयु से शानदार कविता लिखनी शुरू कर दी थी। उन्होंने कहा कि चन्द्र कुवंर बर्त्वाल हिन्दी साहित्य को समृद्ध साहित्य दिया है। उनके साहित्य के प्रचार प्रसार में डॉ योगम्बर सिंह बर्त्वाल ने अतुलनीय योगदान दिया है।

इस दौरान संस्था के सचिव गौरव बर्त्वाल ने कहा कि चंद्र कुवंर बर्त्वाल शोध संस्थान सोसायटी बीते 30 सालों से इस कार्यक्रम को करते हुऐ आ रही है। डॉ योगम्बर के आकस्मिक निधन के बाद भी इस परम्परा को आगे चलाने का कार्यक्रम संस्था के द्वारा किया जा रहा है। जो निरंतर जारी रहेगा। संस्था के संस्थापक व सचिव द्वारा बीते समय में जो भी कार्य किये गये उन्हें आगे ले जाने का काम संस्था हर हाल में करेगी। वही पूर्व आई ए एस व चंद्र कुवंर बर्त्वाल शोध संस्थान के चंद्र सिंह ने कवि चंद्र कुवंर बर्त्वाल को याद करते हुए कहा कि जिस कवि की तुलना अंग्रेजी साहित्य के महान कवियों व प्रसाद पंत निराला जैसे कालजयी छायावादी कवियों के साथ की जाती है उनकी कविताओं का स्तर किस कदर का होगा इसे समझने में कोई ज्यादा मस्कत नहीं करनी पड़ेगी। डॉ योगम्बर सिंह बर्त्वाल नहीं होते तो चंद्र कुवंर बर्त्वाल की कवितायें भी गुमनामी के अंधेरों में खोई रहती।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ हर्षमणि भट्ट ने कवि चन्द्रकुवंर बर्त्वाल की कविताओ का पाठ कर कविवर को याद किया। कार्यक्रम के दौरान प्रसिद्ध रंगकर्मी डॉ राकेश भट्ट ने चन्द्रकुवंर बर्त्वाल की शानदार कविता का गायन किया।

कार्यक्रम का संचालन डश्व मानवेन्द्र बर्त्वाल ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम के दौरान ठाकुर भवानी सिंह,पूर्व मंत्री शूरबीर सिंह सजवाण, राजगुरू कृष्णानंद नौटियाल, डॉ रमाकांत बेंजवाल, डॉ मीनाक्षी रावत, प्रभा सजवाण, संस्था के मीडिया प्रभारी भानु प्रकाश नेगी,देवेन्द्र नेगी, एडवोकेट देवेन्द्र बर्त्वाल शक्ति बर्त्वाल,आन्दोलनकारी प्रदीप कुकरेती समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर राहुल गांधी खड़गे और पीएम मोदी सहित कई नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए देशभर की राजनीतिक हस्तियों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राष्ट्रीय राजधानी में वीर भूमि पर जाकर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया, ''आज देश सद्भावना दिवस मना रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी भारत के महान सपूत थे। उन्होंने करोड़ों भारतीयों में आशा की किरण जगाई और अपने अभूतपूर्व योगदान से भारत को 21वीं सदी में लाए। उनके द्वारा उठाए गए कदम जैसे मतदान की आयु 18 वर्ष करना, पंचायती राज को मजबूत करना, दूरसंचार और आईटी क्रांति, कम्प्यूटरीकरण कार्यक्रम, शांति समझौते, महिला सशक्तिकरण, सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम और नई शिक्षा नीति ने देश में परिवर्तनकारी बदलाव लाए। हम भारत रत्न राजीव गांधी को उनकी जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, "हमारे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि।

कोटा गांव में मासूम को गुलदार ने बनाया निशाना, पुलिस और ग्रामीण जंगल में जुटे खोज में

कोटद्वार। पौड़ी जिले के रिखणीखाल ब्लॉक के कोटा गांव में को दिल दहला देने वाली घटना घटी, जब एक पांच साल का मासूम गुलदार का शिकार बन गया। रक्षाबंधन के मौके पर अपने मायके आई अर्चना देवी का बेटा, आदित्य, घर के आंगन में खेल रहा था, जब अचानक गुलदार उसे उठाकर ले गया।

ग्रामीणों ने तुरंत घटना की सूचना लैंसडौन की तहसीलदार शालिनी मौर्य और रिखणीखाल थाने के प्रभारी संतोष कुमार को दी। सूचना मिलते ही पुलिस और राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। स्थानीय ग्रामीणों के साथ मिलकर पुलिस ने बच्चे की तलाश में जंगल का कोना-कोना छाना।

घर से करीब डेढ़ किमी दूर झाड़ियों में बच्चे का एक पैर मिला है, जिससे बच्चे के सुरक्षित होने की उम्मीदें धूमिल हो गई हैं। रिखणीखाल के कानूनगो प्रीतम सिंह ने बताया कि खोजबीन जारी है। गांव में इस घटना के बाद से भय का माहौल है और लोग प्रशासन से जल्द से जल्द गुलदार को पकड़ने की मांग कर रहे हैं।

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने सरखेत आपदा में प्रभावित 12 परिवारों को वितरित किए टेलीविजन सेट

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मंगलवार को हाथीबड़कला स्थित कैंप कार्यालय में गत वर्ष 2022 में सरखेत में आई देवीय आपदा में प्रभावित 12 परिवारों को अपनी घोषणानुसार टेलीविज़न सेट वितरित किए।

इस दौरान कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि आपदा प्रभावितों के साथ राज्य सरकार हमेशा खड़ी है। उन्होंने कहा कि हम प्राकृतिक आपदाओं को रोक नहीं सकते, लेकिन आपदा के बाद सरकार प्रभावितों के प्रति कितनी गंभीरता से कार्य कर रही है, यह बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की पुष्कर सिंह धामी सरकार पूरी ईमानदारी से इस कार्य को कर रही है। प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करने पर भी ग्रामीणों ने कैबिनेट मंत्री से अनुरोध किया। इस दौरान महिलाओं ने कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी का आभार प्रकट करते हुए उनकी कलाई पर राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र की कामना की।

इन प्रभावित 12 परिवारों को प्रदान की गई सहायता के तौर पर टेलीविजन करण सिंह, विक्रम सिंह पंवार, मनोज पंवार, दीपक पंवार, दिनेश सिंह कैंतुरा, सुरेश, सुभाष, गया देवी, राजेश, संजय कुमार, सोहनलाल, दिनेश कोटवाल।

इस अवसर पर ग्राम प्रधान नीलम कोटवाल, जिला पंचायत सदस्य वीर सिंह चौहान, अनुज कौशल, संध्या थापा, संजय कोटवाल, भूपेंद्र कठेत सहित कई लोग उपस्थित रहे।

दलित और आदिवासी संगठनों का भारत बंद, कई राज्यों में बंद का असर

ह.टा. ब्यूरो। अनुसूचित जाति और जनजाति के आरक्षण में क्रीमी लेयर को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फ़ैसले के विरोध में दलित और आदिवासी संगठनों ने 21 अगस्त को भारत बंद का आह्वान किया है।

इस बंद का असर कई राज्यों में देखने को मिल रहा है। बिहार और झारखंड में कई सेवाएं प्रभावित हुई हैं। झारखंड में बस सेवाएं बुरी तरह से प्रभावित हुई हैं. समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक़ बस अड्डों से बसें बाहर नहीं निकल पाई हैं।

बिहार के जहानाबाद में बंद समर्थक सड़कों पर नारेबाज़ी करते दिख रहे हैं। बिहार के ही आरा में बंद समर्थक रेलवे लाइनों पर बैठकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। राजस्थान के कई शहरों में दुकाने बंद है। बंद का असर कई राज्यों में साफ़ दिख रहा है।

प्रदर्शनकारियों ने बिहार संपर्क एक्सप्रेस को दरभंगा में रोक दिया है। हालांकि उत्तर प्रदेश में बंद का बहुत असर देखने को नहीं मिल रहा है। जहाँ बीजेपी की सरकार है, वहाँ बंद का असर कम बताया जा रहा है।

दलित संगठनों के अलावा अलग-अलग राज्यों में कई राजनीतिक दलों ने भी इसका समर्थन किया है।

बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने सुप्रीम कोर्ट के फ़ैसले पर सरकार से संविधान संशोधन करने की मांग की और भारत बंद को बिना किसी हिंसा के

शांतिपूर्ण तरीक़े से किए जाने की अपील की है।

मायावती के भतीजे आकाश आनंद ने भारत बंद के दौरान बसपा कार्यकर्ताओं से पार्टी के झंडे के साथ शांतिपूर्ण तरीके से शामिल होने की बात कही।

इस बीच बिहार में राष्ट्रीय जनता दल ने इस बंद का समर्थन किया है जबकि केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने इसे 'विपक्ष का भारत बंद' कहा।

विपक्षी पार्टियों के भारत बंद पर केंद्रीय क़ानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बुधवार को कहा, ''एससी, एसटी आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के दो भाग हैं। एक विषय क्रीमी लेयर का है और दूसरा अनुसूचित जाति के उप-वगहृकरण का. इन दो विषयों में से एक में सुप्रीम कोर्ट ने अश्बब्जर्वेशन दिया है। ये निर्णय का हिस्सा नहीं होता।''

अर्जुन राम मेघवाल ने बताया, ''जब बीजेपी के एससी-एसटी के सांसदों को ऐसा लगा कि विपक्ष भ्रम फैला रहा है कि एससी-एसटी में भी क्रीमी लेयर आ गया। इसके लिए उन्होंने 9 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ज्ञापन दिया। प्रधानमंत्री ने कैबिनेट में फ़ैसला करके कहा कि क्रीमी लेयर एससी-एसटी में लागू नहीं है और इस फ़ैसले का हिस्सा भी नहीं है।''

क़ानून मंत्री ने कहा, ''दूसरा हिस्सा दिशा का है और इसमें सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर राज्य चाहें तो वे उप-वगहृकरण कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इसके लिए दो शर्त लगाई कि डेटा इकट्ठा करना होगा और जिसको भी आरक्षण दिया जा रहा है। उसको 100 फ़ीसदी नहीं दिया जा सकता. विपक्ष के लोग अनावश्यक रूप से इस विषय पर भ्रम फैला रहे हैं।''

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है और प्रशासन को बंद के दौरान किसी प्रकार की हिंसा न होने की हिदायत दी गई है।

अखिल भारतीय इंटर-स्कूल आईपीएससी टेबल टेनिस टूर्नामेंट : हैदराबाद पब्लिक स्कूल बनी चौम्पियन

देहरादून। पेस्टल वीड स्कूल में आयोजित अखिल भारतीय इंटर-स्कूल आईपीएससी टेबल टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दिन खेल प्रेमियों के लिए उत्साह से भरा रहा। अंडर-14, 17, और 19 वर्ष वर्ग की टीम स्पर्धा और व्यक्तिगत चौम्पियनशिप के फाइनल मुकाबलों ने रोमांचक माहौल बना दिया।

अंडर-14 बॉयज कैटेगरी के फाइनल में हैदराबाद पब्लिक स्कूल ने द दून स्कूल को 3-2 से हराकर प्रतिष्ठित ट्रॉफी अपने नाम की। मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसमें दून स्कूल के कृष्ण ने हैदराबाद के नमन को 3-2 से हराकर बढ़त बनाई। हालांकि, हैदराबाद पब्लिक स्कूल के आरव और नेहन ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अगले मैचों में जीत दर्ज की। दून स्कूल ने फिर से वापसी की कोशिश की, लेकिन निर्णायक मुकाबले में हैदराबाद के नमन ने उदय को 3-0 से हराकर टीम को जीत दिलाई।

अंडर-17 बालक वर्ग के फाइनल में मॉडर्न स्कूल ने वेल्हम बॉयज के खिलाफ 3-2 से जीत हासिल की। यह मुकाबला भी कांटे की टक्कर का रहा, जहां वेल्हम बॉयज ने शुरुआती बढ़त बनाई, लेकिन मॉडर्न स्कूल के कृषांग ने शानदार खेल

दिखाते हुए टीम को जीत की राह पर ला दिया। अंततः निर्णायक मुकाबले में मॉडर्न स्कूल के युवराज ने वेल्हम के अथर्व को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की।

अंडर-19 लड़कों की श्रेणी में एमराल्ड हाइट्स, इंदौर ने वेल्हम बश्ययज के खिलाफ सीधे मुकाबलों में जीत हासिल की। भव्यांश, आर्यन और स्पर्श की तिकड़ी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए लगातार दूसरी बार ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

टूर्नामेंट के समापन समारोह में मुख्य अतिथि बंशीधर तिवारी, आईएएस, महानिदेशक स्कूल शिक्षा, और मनीष अग्रवाल, क्षेत्रीय अधिकारी, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, देहरादून, विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। टूर्नामेंट का उद्देश्य सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों का चयन कर उन्हें स्कूल गेम्स फेडरेशन अश्फफ इंडिया (एस.जी.एफ.आई.) में प्रतिनिधित्व के लिए तैयार करना है। व्यक्तिगत चौंपियनशिप के चलते खिलाड़ियों का चयन 20 अगस्त, 2024 को किया जाएगा।

आईएसबीटी में नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म की घटना एसएसपी देहरादून ने एसआईटी का किया गठन

देहरादून। देहरादून के आईएसबीटी क्षेत्र में नाबालिग बालिका के साथ हुए दुष्कर्म के मामले ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया है। इस संवेदनशील और गंभीर मामले की गहराई से जांच करने के लिए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) देहरादून ने एक एसआईटी का गठन किया है। इस टीम का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक नगर प्रमोद कुमार कर रहे हैं, और इसमें पुलिस के अनुभवी अधिकारियों को शामिल किया गया है।

एसआईटी द्वारा इस घटना की पूरी विवेचना को प्रभावी ढंग से अंजाम देने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। दिल्ली से देहरादून तक की बस यात्रा के दौरान सभी संभावित साक्ष्यों को इकट्ठा करने के लिए एक विशेष सर्विलांस टीम को भी नियुक्त किया गया है। इस टीम द्वारा बस की यात्रा के बीच में पड़ने वाले ढाबों से लेकर आईएसबीटी तक की सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है, ताकि घटना के समय के सभी साक्ष्य जुटाए जा सकें।

जांच के दौरान साक्ष्यों को पुख्ता करने के लिए एसआईटी अभियुक्तों का कस्टडी रिमांड लेने की भी योजना बना रही है।ेज् के सभी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे इस मामले के हर पहलू की गहनता से जांच करें और घटना में शामिल सभी अभियुक्तों के खिलाफ ठोस साक्ष्य एकत्र करें। इन साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्तों के खिलाफ अदालत में मजबूत पैरवी सुनिश्चित की जाएगी।

इस गंभीर मामले की जांच की नियमित रूप से एसएसपी देहरादून द्वारा समीक्षा की जाएगी, ताकि विवेचना में कोई कमी न रह जाए। एसआईटी को निर्देश दिया गया है कि वह हर कदम पर एसएसपी को अपनी प्रगति की जानकारी दे और न्याय दिलाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करें।

ओटीपी शेयरिंग ऐप से 32 लाख की धोखाधड़ी गिरोह का सरगना गिरफ्तार

देहरादून। उत्तराखंड के साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन द्वएसटीएफद्व ने 32 लाख रुपये की साइबर धोखाधड़ी में शामिल एक गिरोह के सरगना को हरिद्वार से गिरफ्तार किया है। यह गिरोह पूरे देश में नकली निवेश और शेयर ट्रेडिंग योजनाओं के नाम पर लोगों से ठगी कर रहा था। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान हरियाणा निवासी 31 वर्षीय व्यक्ति के रूप में हुई है, जिसने 12 राज्यों में 19 अन्य मामलों में भी धोखाधड़ी की है।

यह गिरोह खुद को PIMCO Capital और Kotak Securities के कर्मचारी बताकर नकली वेबसाइट्स और व्हाट्सएप ग्रुपों के जरिए शेयर मार्केट में निवेश का लालच देता था। जून 2024 में एक शिकायत के आधार पर जांच शुरू की गई, जिसमें शिकायतकर्ता को नकली स्टॉक ट्रेडिंग ऐप "Kotakss-Pro" डाउनलोड करवा कर धोखाधड़ी का शिकार बनाया गया। इस मामले में करीब 32 लाख रुपये की ठगी की गई।

जांच के दौरान, पुलिस ने गिरोह द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे एक ओटीपी शेयरिंग ऐप "HHSMSApp" का भी खुलासा किया, जो बैंक ओटीपी को गिरोह के अन्य सदस्यों के साथ ऑनलाइन साझा करने के लिए प्रयोग किया जा रहा था। इस ऐप को व्हाट्सएप ग्रुपों के जरिए एपीके फाइल के रूप में वितरित किया जाता था।

गिरफ्तार आरोपी के बैंक खाते में 71 लाख रुपये की संदिग्ध रकम पाई गई है। उसने यह भी कबूल किया कि वह व्हाट्सएप के माध्यम से बैंक खातों के क्यूआर कोड, खाली चेक फोटो और डेबिट कार्ड के विवरण गिरोह के अन्य सदस्यों के साथ साझा करता था।

एसटीएफ की टीम ने मोबाइल हैंडसेट, सिम कार्ड और एसडी कार्ड जैसे महत्वपूर्ण सबूत बरामद किए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आयुष अग्रवाल ने जनता से अपील की है कि किसी भी प्रकार की ऑनलाइन जॉब या निवेश योजना में भाग लेने से पहले वेबसाइट और संबंधित जानकारी का सत्यापन जरूर

लक्ष्य सेन को ग्राफिक एरा ने दिये 25 लाख रुपये

देहरादून। ओलम्पिक में नया इतिहास रचकर लौटे शटलर लक्ष्य सेन को ग्राफिक एरा ने 25 लाख रुपये का पुरस्कार दिया। ग्राफिक एरा डीम्ड यूनिवर्सिटी के छात्र व ओलम्पिक खिलाड़ी लक्ष्य सेन का आज विश्वविद्यालय पहुंचने पर जोरदार अभिनंदन किया गया। लक्ष्य ने ओलम्पिक का सेमी फाइनल हारने की वजह जल्दबाजी में हुई अपनी गलतियों को बताया।

देश के गौरव व ग्राफिक एरा के एमबीए के छात्र लक्ष्य सेन आज अपने परिवार के साथ अपने विश्वविद्यालय पहुंचे। अवकाश होने के बावजूद अपने चहेते लक्ष्य सेन के स्वागत के लिए शिक्षक और छात्र छात्राएं बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय पहुंचे थे। ग्राफिक एरा के सिल्वर जुबली कंवेशन सेंटर पहुंचने पर लक्ष्य सेन का ढोल नगाड़ों और फूलों की वर्षा करके स्वागत किया गया।

अभिनंदन समारोह में शटलर लक्ष्य सेन ने कहा कि सेमी फाइनल की शुरुआत में वह अच्छा खेल रहे थे और उनके जीतने के चांस भी थे, लेकिन उन्होंने कुछ गलतियां की, जिनकी वजह से मैच हाथ से निकल गया। लक्ष्य सेन ने देश भर से मिले प्रेम और शुभकामनाओं के लिए सबका आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि देश में खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए हर स्तर पर सपोर्ट देने की पैरवी करते हुए कहा कि केवल बड़े मुकाबलों के लिए ही नहीं, बल्कि छोटे स्तर से सपोर्ट करना महत्वपूर्ण होगा।

लक्ष्य सेन ने कहा कि ओलम्पिक खेलों से उन्हें जो अनुभव मिला है, उसका लाभ उन्हें भविष्य में होने वाले मुकाबलों में मिलेगा। उन्होंने युवाओं को स्वस्थ रहने के लिए घर का खाना खाने की सलाह दी।

समारोह को सम्बोधित करते हुए ग्राफिक एरा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ कमल घनशाला ने कहा कि ओलम्पिक खेलों में पहली बार मेन्स सिंगल्स में सेमी फाइनल तक पहुंच कर इतिहास रचने वाले शटलर लक्ष्य सेन देश और ग्राफिक एरा का गौरव हैं। लक्ष्य सेन ने अपने सामर्थ्य, कौशल और जुनून से पूरे देश के लोगों का दिल जीत लिया है। महज 23 साल की उम्र में युवा शटलर लक्ष्य सेन ने बैडमिन्टन के बड़े से बड़े खिलाड़ी को मात देने में कामयाबी हासिल की है।

डॉ घनशाला ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में लक्ष्य सेन दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों में एक होंगे और एक के बाद एक गोल्ड जीतेंगे। ओलम्पिक खेलों का उनका यह पहला तजुर्बा है, यह सफलता की सीढ़ियां चढ़ने में उनका मददगार साबित होगा। उनके इस सफर में ग्राफिक एरा उनके साथ खड़ा रहेगा। उन्होंने खुशी जाहिर की कि इस बार ओलम्पिक खेलों में ग्राफिक एरा के पांच छात्र-छात्राएं देश की ओर से खेले।

समारोह में डॉ कमल घनशाला और ग्राफिक एरा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की वाइस चेयरपर्सन राखी घनशाला ने लक्ष्य सेन को 25 लाख रुपये का चैक भेंट करने के साथ ही फूलों और शॉल से उनका अभिनंदन किया। लक्ष्य सेन ने शिक्षकों और बच्चों के साथ सैल्फी भी ली।

अभिनंदन समारोह को लक्ष्य की माता निर्मला धीरेंद्र सेन और लक्ष्य के पिता डी के सेन ने भी सम्बोधित किया। लक्ष्य के माता पिता के साथ उत्तरांचल स्टेट बैडमिन्टन एसोसिएशन के महासचिव बीएन मनकोटी का ग्राफिक एरा ने अभिनंदन किया। समारोह ग्राफिक एरा डीम्ड यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ नरपिंदर सिंह, ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ संजय जसोला और अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

एसएसपी देहरादून ने संभाला यातायात का मोर्चा शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में किए बड़े बदलाव

देहरादून। रक्षाबंधन के मौके पर शहर की सड़कों पर अचानक बढ़ी भीड़ और यातायात के दबाव को देखते हुए एसएसपी देहरादून ने शहर के विभिन्न महत्वपूर्ण मार्गों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रिस्पना पुल, जोगीवाला, और हरिद्वार बाईपास रोड जैसे व्यस्त इलाकों का जायजा लिया और यातायात दबाव के प्रमुख कारणों का विश्लेषण किया।

हरिद्वार रोड पर बढ़ते यातायात दबाव को नियंत्रित करने के लिए एसएसपी ने कैलाश अस्पताल कट और गोविन्द अस्पताल कट को बंद करने के निर्देश दिए। हालांकि, कैलाश अस्पताल कट से दो पहिया वाहनों को जाने की अनुमति दी गई है, लेकिन अन्य सभी वाहनों को मोहकमपुर फ्लाईओवर के नीचे से यू-टर्न लेकर शहर में प्रवेश करना होगा।

एसएसपी देहरादून ने बताया कि कुछ लोगों की सुविधा के लिए हाईवे पर यातायात को बाधित न करते हुए, बढ़ती गाड़ियों की संख्या और समय की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इन कटों को बंद करना जरूरी हो गया था। उनके निर्देशों के बाद, पुलिस ने तत्परता से कैलाश अस्पताल और गोविन्द अस्पताल के पास के कट को बंद कर दिया।

ब्राहरवासियों की सुविधा और सुरक्षित यातायात के लिए एसएसपी द्वारा किए गए इन बदलावों की सराहना की जा रही है। पुलिस प्रशासन ने सभी से अपील की है कि वे नए यातायात नियमों का पालन करें और शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में सहयोग करें।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से पेरिस ओलिंपिक में प्रतिभाग कर लौटे खिलाड़ियों ने भेंट की

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में पेरिस ओलिंपिक में प्रतिभाग कर लौटे खिलाड़ियों अंकिता ध्यानी, परमजीत सिंह एवं सूरज पंवार ने भेंट की।

मुख्यमंत्री ने पेरिस ओलंपिक में प्रतिभाग पर तीनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उन्हें सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुख्यमंत्री ने तीनों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे आगे आने वाली प्रतियोगिताओं में पूरे समर्पण से अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और प्रदेश की जनता उनके साथ है।

उत्तराखंड में महिला सुरक्षा पर सरकार की सख्त पहल

देहरादून। राज्य के अस्पतालों में महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उत्तराखंड सरकार ने एक नई पहल की शुरुआत की है। स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने दून मेडिकल कॉलेज में रक्षाबंधन के अवसर पर अस्पताल के स्टाफ के साथ त्योहार मनाया और महिला डॉक्टरों एवं स्टाफ को सुरक्षा का आश्वासन दिया।

स्वास्थ्य सचिव ने बताया कि राज्य सरकार जल्द ही एक सशक्त एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) जारी करेगी, जिससे अस्पतालों में महिला कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बताया कि इस संबंध में गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखा जाएगा ताकि दून मेडिकल कॉलेज में एक पुलिस चौकी की स्थापना हो सके और उसमें महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की जा सके।

इस मौके पर महिला मेडिकल स्टाफ ने सुरक्षा के मुद्दे को उठाते हुए रात्रि पाली में काम करने के दौरान पर्याप्त सुरक्षा की मांग की। सचिव ने इस मांग को गंभीरता से लेते हुए उन्हें आश्वासन दिया कि अस्पतालों में महिला सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सरकार हर संभव कदम उठाएगी।

इस दौरान डॉ आशुतोष सयाना, डॉ. गीता जैन, डॉ. अनुराग अग्रवाल, डॉ. धनंजय डोभाल, डॉ. एमके पंत, डॉ. अनिल जोशी, डॉ. नितिन, डॉ. शिव, डॉ. अंकुर पांडे, डॉ. योगेश्वरी, दून मेडिकल कॉलेज के पीआरओ महेंद्र भंडारी के अलावा विनोद नैनवाल, प्रमोद मिश्रा, नवीन खंडूरी मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सुबोध भट्ट द्वारा दून वाणी प्रिंटर्स डी0एल0 रोड, देहरादून से मुद्रित एवं मोहकमपुर कलां, माजरी माी, पो0ओ0 नवादा, देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित।
सम्पादक : सुबोध भट्ट मो0 9837383994, email : subodhbhatt09@gmail.com
Web site : harshitatimes.com, facebook page : harshitatimes.com, email : harshitatimes09@gmail.com,